बिहार विधान परिषद्

188वां सत्र

तारांकित प्रश्न

वर्ग – 1

14 फाल्गुन, 1939 (श.)

सोमवार, तिथि ----------

05 मार्च, 2018 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 30

1.	ग्रामीण विकास विभाग	....	....	06
2.	पंचायती राज विभाग	....	....	03
3.	ग्रामीण कार्य विभाग	....	....	07
4.	भवन निर्माण विभाग	....	....	02
5.	पथ निर्माण विभाग	....	....	08
6.	पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग	....	....	01
7.	कृषि विभाग	....	....	03

			कुल योग –	**30**

स्थायी नियुक्ति

***** 59. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के किसानों को आधुनिक तकनीक से खेती की पद्धति सिखाने वाले आधे से अधिक तकनीकी प्रबंधकों ने महज दो साल में नौकरी छोड़ दी है, जिससे पंचायतों में होने वाली किसान पाठशाला, किसानों की बदौलत चलाये जा रही है;

(ख) क्या यह सही है कि नौकरी छोड़ने वाले तकनीकी प्रबंधकों की पीड़ा थी कि न उनकी नौकरी पक्की थी और न उन्हें समय पर मानदेय ही मिलता था;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त स्थिति में किसानों को आधुनिक खेती पद्धति सिखाने के लिए रिक्त पदों के विरुद्ध दोबारा तकनीकी प्रबंधकों की स्थायी नियुक्ति करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

पथ का निर्माण

***** 60. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत रामगढ़वा प्रखंड में जैतापुर सिसवतिया से अधकपरिया तक, जिसकी दूरी लगभग 3 कि.मी. है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त स्थान पर पक्की सड़क नहीं होने के कारण बरसात के समय कई पंचायतों को जोड़ने वाले मुख्य पथ से आम जन-जीवन ठप हो जाता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो उक्त स्थान जो जैतापुर अहिरौलिया, अधकपरिया, पीपरपाती, परसौना तपसी, सिंहासनी पंचायतों को जोड़ने वाले मुख्य पथ हैं जिसमें बरसात में जन-जीवन ठप हो जाता है, सरकार इस पथ का अविलम्ब निर्माण कराकर जनता के जीवन को सुखमय बनाना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

रोशनी की व्यवस्था

* 61. **श्री रामचन्द्र भारती** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना के दीघा में गंगा नदी पर नव निर्मित जे.पी. सेतु पर उद्घाटन के एक हफ्ते के बाद से ही अंधेरे का साम्राज्य कायम है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त पुल पर रोशनी से संबंधित सारे उपकरण असामाजिक तत्वों द्वारा खोल लिए गए हैं;

(ग) क्या यह सही है कि पुल पर अंधेरा रहने की वजह से रात्रि में पुल पार करने वाले यात्रियों के साथ किसी भी तरह की अप्रिय घटना घटित होने की संभावना रहती है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार शीघ्रातिशीघ्र जे.पी. सेतु पर रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

नाला का निर्माण

* 62. **श्री चन्देश्वर प्रसाद** : क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना जिला के सम्पतचक प्रखंडान्तर्गत खेमनीचक एवं नयाचक मौजा में नौबतपुर से आने वाला बादशाही नाला पईन रहते हुए उक्त दोनों मौजा के खाली क्षेत्रों में रास्ता के किनारे-किनारे नाला निर्माण के अभाव में हमेशा जल-जमाव बना रहता है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त दोनों क्षेत्रों में वर्षा का पानी और घर से निकला गंदा पानी के जमाव से संक्रामक जीवाणु उत्पन्न हो रहे हैं;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त दोनों क्षेत्रों में जल-जमाव से उत्पन्न संक्रामक बीमारियों से स्थानीय लोग रोगग्रस्त हो रहे हैं तथा खाली क्षेत्रों में कृषि कार्य बाधित हो रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार लोकहित में उक्त दोनों मौजा में जल-जमाव से निजात पाने हेतु निर्मित सभी पथों के किनारे-किनारे पक्का नाला निर्माण करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

राशि की बढ़ोतरी

***** 63. **श्री सुबोध कुमार** : क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य में भवन निर्माण की सामग्रियों के मूल्य में बेतहाशा वृद्धि हुई है;

(ख) क्या यह सही है कि वर्तमान बालू संकट के कारण राज्य में गरीबों के मकान तथा इंदिरा आवास आदि जैसी योजनाओं के तहत घर बनाना दूभर हो गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार इंदिरा आवास की वर्तमान में तय राशि को बढ़ाना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

ऐलिवेटेड सड़क का निर्माण

***** 64. **श्री संजीव श्याम सिंह** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि गया जिले के गया शहर घुघरीटांड रोड बाईपास के पुल से होकर जो सड़क जगजीवन कॉलेज, मुफस्सिल थाना होते हुए वजीरगंज, राजगीर को जाती है, में हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है, जिसके कारण गाड़ियों को इधर से आने जाने में काफी समय लग जाता है;

(ख) क्या यह सही है कि यदि घुघरीटांड बाईपास पुल जगजीवन कॉलेज मुफस्सिल थाना होते हुए मेहता पेट्रोल पम्प तक एक एलिवेटेड सड़क जो कि मानपुर पुल अवगीला से जुड़ा हो, बन जाने पर जाम की समस्या से छुटकारा मिल जाएगा एवं वजीरगंज, नवादा, राजगीर की तरफ आने-जाने के लिए काफी आसान हो जाएगा;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त सड़क पर ऐलिवेटेड सड़क बनाने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

कृषि यंत्र बैंकों की स्थापना

***** 65. **श्री आदित्य नारायण पाण्डेय** : क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि केन्द्र सरकार की कृषि यांत्रीकरण योजना के तहत राज्य में जिला स्तर पर 138 एवं ग्राम स्तर पर 229 कृषि यंत्र बैंकों की स्थापना होनी थी;

(ख) क्या यह सही है कि इस कार्य योजना के मद में केन्द्र सरकार द्वारा राज्य सरकार को 14 करोड़ की राशि उपलब्ध कराई गई थी;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो राज्य सरकार द्वारा अब तक कितने कृषि यंत्र बैंकों की स्थापना की जा चुकी है एवं किसानों के हित में कब तक बाकी कृषि यंत्र बैंकों की स्थापना करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

अधिकारियों पर कार्रवाई

***** 66. **श्री कृष्ण कुमार सिंह** : क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि इंदिरा आवास योजनान्तर्गत वर्ष 2012-13 से 2015-16 की अवधि में स्वीकृत आवासों में से कुल 8.17 लाख आवास अबतक निर्माणाधीन/अपूर्ण है;

(ख) क्या यह सही है कि अधिकारियों की लापरवाही के कारण योजनाओं की स्वीकृति के लम्बे समय बीतने के बाद भी गरीब परिवारों को योजना का लाभ नहीं मिल पाया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार स्वीकृत 8.17 लाख आवास के निर्माण में विलंब करवाने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

पथ की मरम्मती

***** 67. **श्री राजन कुमार सिंह** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि औरंगाबाद जिला अन्तर्गत पंचायत अमिलौना के कझवा मेदन कैथी रोड से कझवा ग्राम तक रोड में काफी गड्ढा हो गया है, जिससे उस इलाके की जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त पथ की दूरी 1 कि.मी. है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त पथ की मरम्मती करवाना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

सड़क की मरम्मती

* 68. **श्री राजेश राम** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पश्चिमी चम्पारण जिले के प्रखड मैनाटांड क्षेत्रान्तर्गत मैनाटांड़ के इनारवा बाजार जाने वाली आर.डब्ल्यू.डी. सड़क अत्यन्त ही जर्जर हो गई है;

(ख) क्या यह सही है कि खंड 'क' में वर्णित सड़क जर्जर होने के कारण आम जनता को आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार मैनाटांड़ से इनारवा बाजार जाने वाली आर.डब्ल्यू.डी. जर्जर सड़क की मरम्मती कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

राशि का भुगतान

*69. **श्री दिलीप कुमार जायसवाल** : क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि संपूर्ण बिहार में बहुत-से ऐसे महादलित, दलित एवं गरीब परिवार हैं जिन्हें अभी तक प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला है क्या जिलावार सरकार के पास इसकी सूची एवं संख्या उपलब्ध है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य के सभी जिलों में निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध तृतीय किस्त की राशि का भुगतान नहीं हुआ है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार प्रधानमंत्री आवास योजना की जिलावार लक्ष्य एवं लक्ष्य के विरुद्ध तृतीय किस्त की सहायता राशि का भुगतान का विवरण एवं बचे हुए लाभुक को कब तक तृतीय किस्त की राशि का भुगतान कर देगी ?

सड़क का निर्माण

***** 70. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पश्चिम चंपारण जिलान्तर्गत बेतिया से सिकटा जाने वाली मुख्य सड़क से ग्राम बैशखवा के मोतीउर रहमान गेट होते हुए ग्राम बेहरा एवं झुमका गांव तक जाने वाली पक्की सड़क वर्ष 2017 की बाढ़ में पूर्णत: ध्वस्त हो गई है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त सड़क के ध्वस्त होने से आवागमन बाधित है तथा सड़क किनारे बसे ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाई हो रही है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो खंड 'क' में वर्णित सड़क का निर्माण बरसात पूर्व कराना चाहती है ?

बाईपास का निर्माण

***** 71. **श्री संजय प्रसाद** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि लखीसराय बड़हिया पिपरिया सांभो होते हुए सूर्यगढ़ा तक माननीय मुख्यमंत्री द्वारा विगत लोकसभा चुनाव में मंच से घोषणा की गयी थी कि यह सड़क ग्रामीण कार्य विभाग से पथ निर्माण विभाग के अन्तर्गत स्थानांतरित कर बाईपास निर्माण कराया जायेगा;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार माननीय मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप उक्त दो जिलों के प्रखंडों को जोड़ने वाली सड़क को जनहित में ग्रामीण कार्य विभाग से पथ निर्माण विभाग में स्थानांतरित कर बाईपास का निर्माण कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

भवन का कार्य पूर्ण करने पर विचार

*****72. **श्री राधाचरण साह** : क्या मंत्री, भवन निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि भोजपुर जिला के आरा में समाहरणालय और जिला पदाधिकारी भोजपुर का कार्यालय बनाने के लिए भवन का शिलान्यास किया है;

(ख) क्या यह सही है कि समाहरणालय भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ की तिथि 25.08.10 एवं कार्य समाप्ति की तिथि 24.02.12 थी। कार्य पूर्ण नहीं होने की स्थिति में एक वर्ष की समय-वृद्धि के बाद संवेदक के द्वारा भवन निर्माण का कार्य अधूरा छोड़ दिया है;

(ग) क्या यह सही है कि संवेदक को भवन बनाने के लिए समय सीमा भी निर्धारित की गई थी। संवेदक के विरुद्ध जिला प्रशासन अभी तक कौन-सी कार्रवाई कर रही है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक समाहरणालय भवन का कार्य पूर्ण कराना चाहती है ?

पुन: प्रशिक्षण दिलाने पर विचार

*73. **श्रीमती रीना देवी** : क्या मंत्री, पंचायती राज विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों को पूर्व में विभाग द्वारा प्रशिक्षण दिलाए जाने के बावजूद भी जानकारी के अभाव में विकास कार्यों/योजनाओं के क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण में परेशानी हो रही है जिसके कारण विकास कार्यों/योजनाओं की प्रगति का कार्य शिथिल है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार सभी त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों को पुन: प्रशिक्षण दिलाने जाने एवं कार्य से संबंधित मार्गदर्शिका देने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

पुल का निर्माण

*74. **श्री जावेद इकबाल अंसारी** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि बांका जिले के बांका प्रखंड अन्तर्गत दक्षिणी कटेली पंचायत के रामपुर-दुसाधी के बीच बुटबरिया नदी पर पुल नहीं रहने के कारण दक्षिणी कटेली के रामपुर, दुसाधी आदि दर्जनों गांवों के लोगों को आवागमन में काफी परेशानी होती है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार वर्णित बुटबरिया नदी पर जनहित में पुल निर्माण का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

प्रखंड बनाने पर विचार

*75. **श्री दिलीप राय** : क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत रून्नी सैदपुर प्रखंड में 33 (तैंतीस) पंचायत हैं;

(ख) क्या यह सही है कि बड़ा प्रखंड होने के कारण प्रखंड पदाधिकारी को कार्य करने में कठिनाई हो रही है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार रून्नी सैदपुर प्रखंड को विभाजित कर मानिक चौक एवं मंहीदवारा को प्रखंड बनाने की विचार रखती है, हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

सड़क का निर्माण

*76. **डा. सूरजनंदन प्रसाद** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि भागलपुर जिला पीरपैंती प्रखंड अंतर्गत पीरपैंती बाजार से बाखरपुर तक पक्की सड़क का निर्माण पहली बार एन.डी.ए. सरकार के प्रथम शासनकाल में किया गया था, निर्माण वर्ष से अबतक उक्त सड़क की कभी मरम्मती नहीं हुई है;

(ख) क्या यह सही है कि विगत कई वर्षों से बाढ़ के कारण उक्त सड़क काफी क्षतिग्रस्त हो चुकी है तथा कई जगह बाढ़ के पानी के चलते गड्ढ़े भी बन चुके हैं जिससे आवागमन की व्यवस्था ठप होने के साथ-साथ ग्रामीणों को रोजी रोजगार पर भी असर पड़ रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार सड़क की ऊंचाई बढ़ाते हुए पक्की सड़क का पुन: निर्माण करना चाहती है, हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

सड़क का जीर्णोद्धार

* 77. **श्री सोनेलाल मेहता** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि खगड़िया जिले के खगड़िया प्रखंड अन्तर्गत खगड़िया-सोनमनकी पी.डब्ल्यू.डी. पथ के पांचवें कि.मी. से बछौता पंचायत होते हुए भिरियाही पोखर, खगड़िया-

अलौली पी.डब्ल्यू.डी. पथ (बायपास पथ) की स्थिति अत्यन्त ही जर्जर है;

(ख) क्या यह सही है कि खगड़िया जिला मुख्यालय को अलौली प्रखंड एवं खगड़िया प्रखंड को जोड़ने वाली मुख्य सड़क है;

(ग) क्या यह सही है कि खंड 'क' में वर्णित सड़क के सुदृढ़ीकरण का कार्य लगभग 10 वर्ष पूर्व में हुआ था;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त सड़क का जीर्णोद्धार कराना चाहती है, हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

सड़क की मरम्मती

***** 78. **श्री सच्चिदानन्द राय** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सारण जिलान्तर्गत प्रखंड मसरख में देउरिया हनुमान मंदिर से पश्चिम टोला होते हुए चैनपुर तक सड़क काफी जर्जर अवस्था में है जिसके कारण बराबर दुर्घटनाएं होती रहती हैं;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार जर्जर सड़क की मरम्मती कराने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

अनुशासनात्मक कार्रवाई

***** 79. **श्री सुमन कुमार** : क्या मंत्री, पंचायती राज विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिला के राजनगर प्रखंड अंतर्गत कार्यपालक पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा पंचायती राज अधिनियम, 2006 से सुसंगत धाराओं की अवहेलना निरंतर की जा रही है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं की लिखित या मौखिक जानकारी प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा मांगने के बावजूद जनप्रतिनिधियों को नहीं दी जाती है;

(ग) क्या यह सही है कि पंचायती राज अधिनियम के तहत दो माह पर एक बैठक प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा बुलाई जाती है;

(घ) क्या यह सही है कि राजनगर प्रखंड अंतर्गत पंचायत समिति के गठन के डेढ़ वर्ष के पश्चात आज तक पंचायत समिति की साधारण बैठक मात्र तीन बार ही बुलाई गई है;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राजनगर प्रखंड अंतर्गत पंचायती राज अधिनियम, 2006 के सुसंगत धाराओं को सुचारु रूप से क्रियान्वयन में अवरोध पैदा करने वाले संबंधितों के ऊपर अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए जनप्रतिनिधियों को सम्मान दिलाना चाहती है, हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

आदेश देने का विचार

***** 80. **श्री संजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, कृषि विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि कृषि उत्पादन बाजार समिति (विघटित) मुसल्लहपुर अन्तर्गत राजवंशीनगर स्थित आवंटित सैकड़ों दुकानों का किराया बकाया है, कृषि उत्पादन बाजार समिति के विघटित होने के बाद उक्त बाजार समिति के कर्मचारी को राजवंशीनगर स्थित दुकानों से किराया वसूलने नहीं भेजा जाता है;

(ख) क्या यह सही है कि कृषि उत्पादन बाजार समिति के कर्मचारी द्वारा भेजकर किराया नहीं वसूलने के कारण दुकानदानों के पास काफी वर्षों से किराया लंबित हो गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बकाये किराये भुगतान दुकान के स्वमित्व का दस किस्तों में करने हेतु अनुमंडल पदाधिकारी पटना सिटी सह विशेष पदाधिकारी कृषि उत्पादन बाजार समिति (विघटित) मुसल्लहपुर को आदेश देने का विचार रखती है ?

सड़क का निर्माण

***** 81. **श्री सी.पी. सिन्हा** : क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि माननीय मुख्यमंत्री, बिहार सरकार ने राज्य के हर कोने से पांच घंटे में पटना पहुंचने का लक्ष्य तय किया है, उच्च पथों को डबल लेन करने की मंजूरी भी प्राप्त है;

(ख) क्या यह सही है कि सरकार राज्य के पांच स्टेट हाइवे को डबल लेन करने से 231 कि.मी. हाइवे तैयार होगा। इसके नव निर्माण से राज्य के सात जिलों को लाभ होगा;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार द्वारा सूबे में 231 कि.मी. स्टेट हाइवे डबल लेने करने हेतु किस-किस पथ का चयन किया है, कितने दिनों में बनकर तैयार हो जायेंगे, प्राथमिकता के आधार पर सड़क निर्माण कराना चाहती है, यदि नहीं तो क्यों ?

आवागमन में असुविधा

***** 82. **श्री सुनील कुमार सिंह** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि दरभंगा जिला के बिरौल प्रखंड के लंका टोला, जो दलित-महादलित का टोला है, यहां के लोगों को अभी तक घर से निकलकर मुख्य सड़क तक आने का रास्ता नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि इस सड़क की दूरी लगभग 1/2 कि.मी. है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जमीन अधिग्रहण कर उक्त सड़क को बनवाने का विचार रखती है, जिससे 150 दलित परिवार को आवागमन में सुविधा होगी, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

समुचित इलाज

***** 83. **श्री रजनीश कुमार** : क्या मंत्री, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि 2012 की गणना के अनुसार राज्य में तीन करोड़ 29 लाख, 38 हजार पशुधन और एक करोड़ 27 लाख 48 हजार पौल्ट्री है;

(ख) क्या यह सही है कि राष्ट्रीय मानक के अनुसार इन पशुधनों और पक्षियों के इलाज हेतु साढ़े छह हजार पशु चिकित्सकों की जरूरत है;

(ग) क्या यह सही है कि फिलहाल संविदा पर कार्यरत 400 पशु चिकित्सकों को मिलाकर भी मात्र 1105 पशु चिकित्सक ही कार्यरत है, जबकि पशु अस्पतालों की संख्या 1137 है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार राज्य में पशु-पक्षियों का समुचित इलाज हेतु पशु चिकित्सकों की कमी कबतक दूर करने का विचार रखती है, नहीं तो क्यों ?

कम्पनी पर कार्रवाई

***** 84. **श्री दिलीप कुमार चौधरी** : क्या मंत्री, भवन निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत अंधराठाढ़ी प्रखंड सह अंचल कार्यालय मॉडल भवन के निर्माण में कथित धांधली का आरोप उठने लगा है;

(ख) क्या यह सही है कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों के आरोप लगाया है कि निर्माण कंपनी द्वारा निर्धारित मापदंड का उपयोग नहीं किया है साथ ही निर्माण कार्य प्रारंभ होने के बाद भी योजना बोर्ड नहीं लगाया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त भवन की जांच कराकर दोषी पदाधिकारियों एवं निर्माण कंपनी पर कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

प्रखंड बनाने पर विचार

***** 85. **श्री राजकिशोर सिंह कुशवाहा** : क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत चकिया प्रखंड में 18 (अठारह) पंचायत होने के कारण सरकारी कार्य प्रभावित होते हैं;

(ख) क्या यह सही है कि वर्षों से लोगों की मांग रही है कि चकिया को विभाजित कर पिपरा प्रखंड बनाया जाए;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार चकिया को विभाजित कर जनहित में पिपरा को नया प्रखंड बनने का विचार रखती है तो कबतक नहीं तो क्यों ?

सड़क बनाने पर विचार

* 86. **श्री वीरेन्द्र नारायण यादव** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सिवान जिला अन्तर्गत मैरवा प्रखंड के नगर पंचायत मैरवा वार्ड सं.-13 की महादलित बस्ती का रास्ता अतिक्रमित है;

(ख) क्या यह सही है कि महादलित टोला के बहुत दिनों से वार्ड नं.-13 में सड़क का निर्माण नहीं कराया गया है जिससे आम जनता को आने-जाने में कठिनाई होती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इसी वित्तीय वर्ष में नगर पंचायत मैरवा के वार्ड नं.-13 में सर्वे में दर्ज रास्ता के अनुसार दलित बस्ती में सड़क बनाना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

चापाकल लगने पर विचार

* 87. **श्री दिनेश प्रसाद सिंह** : क्या मंत्री, पंचायती राज विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि वित्तीय वर्ष 2013-14 में जिला परिषद मुजफ्फरपुर के आंतरिक स्रोत की आय से प्राप्त होने वाली राशि से दिनांक-18.5.2013 को सम्पन्न जिला परिषद की बैठक द्वारा जिला परिषद के सभी सदस्यों के क्षेत्र में 30-30 चापाकल की अधिस्थापन का निर्णय लिया गया और 13-13 चापाकल की अधिस्थापन कराई भी गई;

(ख) क्या यह सही है कि शेष 17 चापाकल की अधिस्थापना हेतु जिला परिषद की बैठकों में कई बार निर्णय लिया गया परन्तु मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा यह कहकर लंबित रख दिया जाता है कि विभाग से मार्गदर्शन प्राप्त किया जायेगा;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी मुजफ्फरपुर जिला परिषद को विशेष विकास निधि के अंतर्गत ली गयी चापाकल की योजनाओं को पूर्ण करने का निदेश देना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

सड़क का निर्माण

***** 88. **डा. रामवचन राय** : क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बक्सर जिला के ब्रह्मपुर प्रखंडान्तर्गत कैथी धरौली पंचायत के थाना बगेल गोला ग्राम पो.-धरौली में मुख्य सड़क पर शिवाला मंदिर से दक्षिण की ओर दीनबंधु महतो के डेरा तक कच्चा मार्ग को मिट्टी से भराई करते हुए ईंटाकरण एवं नाला सहित पी.सी.सी. सड़क निर्माण करने की अति आवश्यकता है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त सड़क के निर्माण होने से स्थानीय लोगों को मुख्य सड़क पर पहुंचने में काफी सहूलियत होने के साथ-साथ समय की बचत होगी;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड 'क' पर अंकित कच्चा मार्ग को चरणबद्ध रूप से मिट्टी की भराई करते हुए ईंटाकरण एवं नाला सहित पी.सी.सी. सड़क निर्माण करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

पटना
दिनांक 05 मार्च, 2018 ई.

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्